भारत सरकार
इस्पात मंत्रालय

राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 630
07 फरवरी, 2025 को उत्तर के लिए

स्पेशियलिटी स्टील के लिए पीएलआई योजना में निवेश

630. श्री प्रमोद तिवारी :

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) क्या स्पेशियलिटी स्टील के लिए उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना में निवेश में धीमी प्रगति दर्ज हुई है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके क्या कारण हैं;

(ग) पीएलआई योजना के अंतर्गत किए गए निवेश और स्पेशियलिटी स्टील के अनुमानित उत्पादन का ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या अधिकांश भारतीय कंपनियां इस्पात विनिर्माण की मूल्य श्रृंखला के निचले स्तर पर काम करती हैं; और

(ङ) यदि हां, तो सरकार द्वारा पीएलआई लाभार्थियों के समक्ष आ रही समस्याओं के समाधान और उन्हें अपनी प्रतिबद्धताओं को पूरा करने में सुविधा प्रदान करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं ?

उत्तर

इस्पात राज्य मंत्री **(श्री भूपतिराजू श्रीनिवास वर्मा)**

(क) से (ड.): स्पेशियलिटी स्टील के लिए उत्पादन संबद्ध प्रोत्साहन(पीएलआई) योजना की शुरुआत देश में मूल्यवर्धित इस्पात के उत्पादन को बढ़ावा देने हेतु निवेश को आकर्षित करने के उद्देश्य से की गई थी। इस्पात एक नियंत्रणमुक्त क्षेत्र है और निवेश तथा उत्पादन जैसे निर्णय उद्योग की तकनीकी-वाणिज्यिक व्यवहार्यताओं के आधार पर लिए जाते हैं। प्रतिभागी कंपनियों ने 27,106 करोड़ के निवेश की प्रतिबद्धता व्यक्त की थी जिसमें से दिसंबर, 2024 तक 18,848 करोड़ का निवेश किया जा चुका है। दिसंबर, 2024 तक स्पेशियलिटी स्टील का 1,258,000 टन उत्पादन हुआ है।

*****